चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6-12-25	06	3-6

कार्यक्रम • विश्व मृदा दिवस पर गांव चिड़ोद में कार्यक्रम में एचएयू वीसी ने कहा

मृदा स्वास्थ्य के लिए रासायनिक खाद व कीटनाशकों का प्रयोग सीमित करें

भास्कर न्यूज | हिसार

हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है। फसल अवशेषों के माध्यम से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है जिससे फसल उत्पादन में भी इजाफा होता है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विवि की ओर से गांव चिड़ोद में विश्व मृदा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि नवीनतम तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेष खेत में पड़े रहने के बाद भी फसल की बिजाई की जा सकती है। मिट्टी केवल कृषि उत्पादन की आधारशिला नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन के पोषण का मूल स्त्रोत है। मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारे बिना खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन तथा सतत् कृषि विकास सम्भव नहीं है। उन्होंने मृदा संरक्षण तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम फसल अवशेष प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जैविक खाद-वर्मी कम्पोस्ट, ग्रीन मेन्योरिंग तथा मल्चिंग को बढ़ावा देकर भूमि की उपजाऊ शक्ति को बरकरार रख सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए किसान रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करें। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि हर वर्ष 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि किसानों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व नीति निर्धारकों को स्वस्थ मिट्टी के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया जा सके। उन्होंने किसानों से कहा कि वे अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करवाएं। मिट्टी परीक्षण सही उर्वरक, सही मात्रा और सही समय तय करने का वैज्ञानिक तरीका है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम के दौरान किसानों को खेतीबाड़ी से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी दी।

हिसार | विश्व मृदा दिवस पर गांव चिड़ोद में आयोजित कार्यक्रम में किसान को सम्मानित करते प्रो. बीआर काम्बोज।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता किसान सम्मानित

मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता किसानों को कुलपति ने सम्मानित किया। किसानों में वेद प्रकाश, नरेश कुमार, मनोज कुमार, जयप्रकाश, रामस्वरूप, बलवान सिंह तथा कर्मवीर शामिल हैं। मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सीमा श्योराण ने किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, इफ्को के चंडीगढ स्थित वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. निरंजन यादव, आईसीएआर अधिकारी डॉ. रमेश फागना, डॉ. रोहताश, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. अनिल सिरोहा, डॉ. कृष्ण भारद्वाज, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. ओपी बिश्नोई उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6-12-25	02	5-8

मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन बेहद जरूरी : प्रो. कांबोज

एचएयू की ओर से विश्व मृदा दिवस पर गांव चिड़ौद में कार्यक्रम आयोजित

गांव चिड़ौद में आयोजित कार्यक्रम में विजेता किसानों को सम्मानित करते एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज। स्रोत : संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को विश्व मृदा दिवस के अवसर पर गांव चिड़ौद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एचएयू कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ाने और फसल उत्पादन में इजाफा करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रो. कांबोज ने बताया कि नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसल अवशेषों के बावजूद बीजाई की जा सकती है।

उन्होंने बताया कि मिट्टी केवल कृषि उत्पादन की आधारशिला नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन के पोषण का मूल स्रोत है। मिट्टी के स्वास्थ्य को सुधारने के बिना खाद्य सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और सतत कृषि विकास संभव नहीं है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करने की अपील की। इसके अलावा, उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जैविक खाद-वर्मी कम्पोस्ट, ग्रीन मेन्योरिंग और मल्चिंग जैसी मृदा संरक्षण तकनीकों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने किसानों से अपील की कि वे अपनी मिट्टी का परीक्षण कराएं, क्योंकि यह सही उर्वरक और सही मात्रा के उपयोग के लिए वैज्ञानिक तरीका है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	6-12-25	09	1-4

कार्यक्रम

हकृवि द्वारा विश्व मृदा दिवस पर गांव चिड़ोद में कार्यक्रम आयोजित

मृदा स्वास्थ्य के लिए रासायनिक उर्वरकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करें : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जिले के गांव चिड़ोद में विश्व मृदा दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है। फसल अवशेषों के माध्यम से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है जिससे फसल उत्पादन में भी इजाफा होता है।

उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए किसान रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करें। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विजेता किसानों को कुलपति ने सम्मानित किया। किसानों में वेद प्रकाश, नरेश कुमार, मनोज कुमार, जयप्रकाश, रामस्वरूप, बलवान सिंह तथा कर्मवीर शामिल हैं।

हिसार। विजेता किसानों को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. दिनेश तोमर, डॉ. निरंजन यादव, डॉ. रमेश फागना, डॉ. रोहताश, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. अनिल सिरोहा, डॉ. कृष्ण भारद्वाज, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. सीमा श्योराण आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	6-12-25	05	4-6

मृदा स्वास्थ्य के लिए रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में करें प्रयोग : प्रो.काम्बोज

हकृवि द्वारा विश्व मृदा दिवस पर गांव चिड़ोद में कार्यक्रम आयोजित

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज विजेता किसानों को पुरस्कृत करते हुए।

हिसार, 5 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जिले के गांव चिड़ोद में विश्व मृदा दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है। फसल अवशेषों के माध्यम से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है जिससे फसल उत्पादन में भी इजाफा होता है। उन्होंने बताया कि नवीनतम तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेष खेत में पड़े रहने के बाद भी फसल की बीजाई की जा सकती है। मिट्टी केवल कृषि उत्पादन की आधारशिला नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन के पोषण का मूल स्त्रोत है। मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारे बिना खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन तथा सतत् कृषि विकास सम्भव नहीं है। उन्होंने मृदा संरक्षण तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम फसल अवशेष प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जैविक खाद-वर्मी कम्पोस्ट, ग्रीन मेन्योरिंग तथा मल्चिंग को बढ़ावा देकर भूमि की उपजाऊ शक्ति को बरकरार रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए किसान रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करें। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि किसानों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व नीति निर्धारकों को स्वस्थ मिट्टी के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया जा सके। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता किसानों को कुलपति ने सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6-12-25	03	4-6

मृदा स्वास्थ्य के लिए रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में करें प्रयोग: प्रो. काम्बोज

– हकृवि द्वारा विश्व मृदा दिवस पर गांव चिड़ोद में कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 5 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जिले के गांव चिड़ोद में विश्व मृदा दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है। फसल अवशेषों के माध्यम से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ौतरी होती है जिससे फसल उत्पादन में भी इजाफा होता है। उन्होंने बताया कि नवीनतम तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेष खेत में पड़े रहने के बाद भी फसल की बिजाई की जा सकती है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज विजेता किसानों को पुरस्कृत करते हुए।

मिट्टी केवल कृषि उत्पादन की आधारशिला नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन के पोषण का मूल स्त्रोत है। मिट्टी का स्वास्थ सुधारे बिना खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन तथा सतत् कृषि विकास सम्भव नहीं है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने किसानों से कहा कि वे अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करवाएं। मिट्टी परीक्षण सही उर्वरक, सही मात्रा और सही समय तय करने का वैज्ञानिक तरीका है। इससे उत्पादन बढ़ता है, लागत घटती है और लम्बे समय तक मिट्टी की सेहत बनी रहती है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम के दौरान किसानों को खेतीबाड़ी से संबंधित विभिन्न प्रकार की लाभप्रद जानकारी दी। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विजेता किसानों को कुलपति ने सम्मानित किया। किसानों में वेद प्रकाश, नरेश कुमार, मनोज कुमार, जयप्रकाश, रामस्वरूप, बलवान सिंह तथा कर्मवीर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	05.12.2025	--	--

मृदा स्वास्थ्य के लिए उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में करें प्रयोग : प्रो. काम्बोज

हकृवि द्वारा विश्व मृदा दिवस पर गांव चिड़ोद में कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जिले के गांव चिड़ोद में विश्व मृदा दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज विजेता किसानों को पुरस्कृत करते हुए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है। फसल अवशेषों के माध्यम से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है जिससे फसल उत्पादन में भी इजाफा होता है। उन्होंने बताया कि नवीनतम तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेष खेत में पड़े रहने के बाद भी फसल की बीजाई की जा सकती है। मिट्टी केवल कृषि उत्पादन की आधारशिला नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन के पोषण का मूल स्त्रोत है। मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारे बिना खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन तथा सतत् कृषि विकास सम्भव नहीं है। उन्होंने मृदा संरक्षण तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम फसल अवशेष प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जैविक खाद-वर्मी कम्पोस्ट, ग्रीन मेन्योरिंग तथा मल्चिंग को बढ़ावा देकर भूमि की उपजाऊ शक्ति को बरकरार रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए किसान रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करें।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि किसानों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व नीति निर्धारकों को स्वस्थ मिट्टी के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया जा सके। उन्होंने किसानों से कहा कि वे अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करवाएं। मिट्टी परीक्षण सही उर्वरक, सही मात्रा और सही समय तय करने का वैज्ञानिक तरीका है। इससे उत्पादन बढ़ता है, लागत घटती है और लम्बे समय तक मिट्टी की सेहत बनी रहती है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम के दौरान किसानों को खेतीबाड़ी से संबंधित विभिन्न प्रकार की लाभप्रद जानकारी दी।

मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता किसानों को कुलपति ने सम्मानित किया। किसानों में वेद प्रकाश, नरेश कुमार, मनोज कुमार, जयप्रकाश, रामस्वरूप, बलवान सिंह तथा कर्मवीर शामिल हैं। मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सीमा श्योराण ने किया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, इफ्को के चंडीगढ़ स्थित वरिष्ठ प्रबंधक (कृषि सेवाएं) डॉ. निरंजन यादव, आईसीएआर अधिकारी डॉ. रमेश फागना, डॉ. रोहताश, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. अनिल सिरोहा, डॉ. कृष्ण भारद्वाज, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. ओपी बिश्नोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, वैज्ञानिक, विद्यार्थी एवं किसान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	05.12.2025	--	--

हकृवि द्वारा विश्व मृदा दिवस पर गांव चिड़ोद में कार्यक्रम आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 6 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जिले के गांव चिड़ोद में विश्व मृदा दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है। फसल अवशेषों के माध्यम से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है जिससे फसल उत्पादन में भी इजाफा होता है। उन्होंने बताया कि नवीनतम तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेष खेत में पड़े रहने के बाद भी फसल की बीजाई की जा सकती है। मिट्टी केवल कृषि उत्पादन की आधारशिला नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन के पोषण का मूल स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए किसान रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	06.12.2025	--	--

उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में करें प्रयोग : काम्बोज

हिसार, 5 दिसंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जिले के गांव चिड़ोद में विश्व मृदा दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मृदा विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 5 दिसंबर को विश्व मृदा दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि किसानों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व नीति निर्धारकों को स्वस्थ मिट्टी के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया जा सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम के दौरान किसानों को खेतीबाड़ी से संबंधित विभिन्न प्रकार की लाभप्रद जानकारी दी।

मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता किसानों को कुलपति ने सम्मानित किया। किसानों में वेद प्रकाश, नरेश कुमार, मनोज कुमार, जयप्रकाश, रामस्वरूप, बलवान सिंह तथा कर्मवीर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	06.12.2025	--	--

विश्व मृदा दिवस: किसानों को नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान

हिसार (सच कहूँ/मांगे लाल)। विश्व मृदा दिवस पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गांव चिड़ोद में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों से अपील की कि मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि मिट्टी ही कृषि और जीवन का आधार है, इसलिए फसल अवशेष प्रबंधन, जैविक खाद, ग्रीन मैन्यूरिंग और मल्चिंग जैसी तकनीकों को अपनाकर भूमि की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखना बेहद जरूरी है। कुलपति ने बताया कि नवीनतम तकनीकों की मदद से खेत में फसल अवशेष रहने के बावजूद अगली फसल की बुवाई संभव है। इससे मिट्टी की उर्वरा क्षमता बढ़ती है और उत्पादन में सुधार होता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि विश्व मृदा दिवस मनाने का उद्देश्य समाज को स्वस्थ मिट्टी के महत्व से जोड़ना है। उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण अवश्य कराने की सलाह दी।